UGC Listed J.No. 63544 (Before 2May 2018)

Impact Factor : 4.198 (IIJIF)

Journal of Socio-Educational & Cultural Research

(An International Multidisciplinary Peer Reviewed Refereed Journal)

Bi-annual, Bilingual (English/Hindi)

Vol. 5, No. 11 **July-December, 2019**

Editor in Chief

Dr. Alok Kumar Kashyap

Associate Professor & Head

Department of Sociology

M.B.S. P.G. College

Gangapur, Varanasi (U.P.)

alokkumar078@gmail.com

Editor

Dr. Shivam Srivastava

Associate Professor

Department of Education

Kisan P.G. College, Bahraich

Dr.shivamsrivastva@gmail.com

. Managing Editor

Dr. Surendra Pal

Associate Professor

B.Ed. Department

D. A.V. P.G.College, Mizaffarnagar, U.P.

Published by

Anjani Jan Seva Samiti

VARANASI, U.P.

Editorial Board

Dr. Brajesh Kumar Singh Head, Dept. of Sociology, Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi, U.P.	**Dr. Manoj Kumar Tiwari** Dept. of History, DDU. Gorakhpur University, Gorakhpur,U.P **Email-** manojtiwariddugkp@gmail.com
Dr. Shailendra Kumar Singh Associate Professor, Dept.of Psychology, MBSPGC Gangapur,Varanasi,U.P. **Email-** shailendra.mbs@gmail.com	**Dr. Shikha Verma** Dept. of B.Ed. Dept. of B.Ed., K.S. Saket P.G. College, Ayodhya, Faizabad **Email-** dr.shikha.saket@gmail.com
Dr. Anju Beniwal Dept. Of Sociology Govt. Meera Girls College, Udaipur, Rajsthan **Email-** anju.beniwaljdpr@gmail.com	**Dr. Surya Bhan Rawat**, Associate. Professor, Deptt. Of Sociology, Kisan P.G. College, Bahraich, U.P. Email.sbrawat123@gmail.com

Peer-Reviewed Board

Prof. B.B. Malik Dept. of Sociology, B.B.A.University, Lucknow **Email-** bbmalik57@gmail.com	**Prof. Ramesh H. Makwana** Head, Dept. of Sociology, Saradar Patel University, Gujrat
Prof. Om. Prakash. Bhartiya Dept. Of Sociology, BHU **Email-** omprakashbharatiyabhu@gmail.com	**Prof. D.D. Bedia** Director, Pt. Jawaharlal Neharu Institute of Business management, Vikram University, Ujjain, Madhya Pradesh
Dr. D. K. Singh Head, Dept. of Psychology, Central University, Bodh Gaya, Bihar **Email-** dharmendra.gla2012@gmai.com	**Dr. Surendra Pal** Associate Professor Dept. of B.Ed. D.A.V.P.G.College, Muzffarnagar **Email-** spsingh2405@gmail.com
Dr. Mithilesh Kumar Associate Professor, Dept. of Sociology, Ranchi University, Ranchi, Jharakhand **Email**-mithileshkumar2012@yahoo.com	**Dr. Ajay Kumar Singh** Faculty of Education, BHU, Varanasi, U.P. **Email-** ajaysingh0025@gmail.com
Dr. Rahul Gupta Asstt. Professor, Dept. of Sociology, Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith **Email-** rahulmgkvp@gmail.com	**Dr Anil Kumar,** Law School BHU, Editor-In-Chief Asian Journal Of Advance Studies **Email-** Email-anil.bhu0101@gmail.com

Advisory Board

Prof. S.R. Yadav Dept. of Sociology B.H.U.	**Prof. R.N.Tripathi** Dept. of Sociology, B.H.U.
Prof. Jagan Karade Director, Centre for Study of Social Exclution & Inclusion Policy, Shivaji University, Kolhapur (Maharastra)	**Dr. Ravi Prakash Yadav** Asst. Research Scientist, University of Lowa-IA, USA
Francis Lobo, Ret.Professor, School of Marketing Tourism and Leisure, Edith Cowan University, Perth, Australia	**Maliga Naidoo,** Director Academy of Leisure Sciences, Africa
Prof. M. P. Singh Dept. of Sociology, DDU Gorakhpur University Gorakhpur,U.P. **Email-** manvendra786901@gmail.com	**Prof. A.P. Singh** Dept. of Sociology, Govt. P.G. College Gopeswar,Chamoli, Uttarakhand
Ram Babu Gautam, Member Antrastriya Hindi Samiti, Washingaton, America	**Linda J. Ingram**, Ph.D, George Mason University, Fairfax, Virginia, USA

Asst. Managing Editor
Dr.Manoj Kumar
BHU Varanasi

Co-Editor
Dr. Anju Beniwal
Udaipur, Rajsthan

Composed by
Vikash Computer
Lanka Varanasi

Office : A-77, Anjanipuram Colony, Karmajitpur, Sunderpur, Varanasi
Cell : 8858229047, E-mail : alokkumar078@gmail.com

© Publisher

1. All views and opinions expressed in 'Journal of Socio-Educational & Cultural Research' are the sole responsibility of the author concerned. Neither the Editor nor Publisher can in anyway, be held responsible for them.
2. All post of journal are without pay.
3. All disputes are subject to Varanasi jurisdiction only.

संपादकीय

संपूर्ण विश्व में सबसे अधिक युवा भारत में रहते हैं। यह सर्वविदित है कि भारत युवाओं का देश है। ख्याति लब्ध लेखक खलील जिब्रान ने अपनी बहुचर्चित पुस्तक द प्रॉफिट में बच्चों और मां–बाप के रिश्तो के प्रति बहुत सुंदर टिप्पणी की है। बच्चे बाण हैं जो धनुष से छूटते हैं और इसलिए कि बाण दूर तक जाए, धनुष की रस्सी को झुकना पड़ता है। इसलिए रस्सी जितना झुकेगी बाण उतना आगे तक जाएगा। रस्सी अकड़ी रहे तो बाण को गति नहीं मिलेगी। हमारे देश में अतिथि देवो भव, मातृ देवो भव, पितृ देवो भव की संस्कृति है। क्या हमने यह सोचा है कि पुत्री देवो भव या पुत्र देवो भव का संस्कार आ सकेगा? जिब्रान की अंतर्दृष्टि लोग अपने जीवन में उतार सकेंगे? अपनी टिप्पणी में उन्होंने जीवन की समस्या को बहुत गहराई से उजागर किया है। जीवन हमेशा आगे की ओर जाता है और जीवन का वह समय जो बचपन के बाद प्रारंभ होता है अर्थात किशोरावस्था और उसके बाद युवावस्था। जीवन के इस कालखंड में अर्थात यौवन में मनुष्य उर्जा से लबरेज होता है। यौवन वह ऊर्जा है जिसके माध्यम से जीवन खुद को आगे बढ़ाता है। किंतु यह ऊर्जा नियंत्रित और नियोजित नहीं होती है। इसलिए युवा पीढ़ी को इस बात की समझ नहीं रहती है कि उनके लिए क्या उचित है? उन्हें क्या चाहिए ? उन्हें क्या करना है? बस कर गुजरना चाहते हैं युवा। कुछ कर गुजरने की चाह हिलोरें मारती रहती हैं। अधिकांश युवाओं की इस चाह को राह नहीं मिलती है और जब चाह को राह न मिले तो वह आह बन जाती है। देश भर के अनेक विश्वविद्यालयों में इन दिनों सहज ही आह की चिंगारी देखी जा सकती है युवा शक्ति को बड़ी ही सरलता से गुमराह किया जा रहा है शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के व्यवहार को जिस प्रकार से, दिखाया, समझा या समझाया जा रहा है उससे परिस्थितियां अलग होती जा रही है। शिक्षक, प्रोफ़ेसर, कुलपति, पुलिस सब सलंग्न हो जाते हैं।

युवाओं की हर एक प्रतिक्रिया को बहुत ही लचीले ढंग से लिए जाने कि आवश्यकता है। धनुष की रस्सी की भांति जितना लचीला उपाय होगा उतना ही अधिक सकारात्मक उर्जा का लाभ समाज को मिल सकेगा। युवा पीढ़ी को राह दिखाने की आवश्यकता है। सही मार्ग दिखाने की जरूरत है। व्यापार में, सामान्य काम काज में, मनोरंजन के क्षेत्र में, राजनीति में भी युवाओं पर अधिक भरोसा किया जा रहा है। उनको ज़िम्मेदारी वाले पदों पर आसीन किया जा रहा है क्योंकि उनमें कुछ कर गुजरने की क्षमता है,उनके पास नया ज्ञान है, शिक्षा है,समझ है, सोच है, सृजन शक्ति है। नए प्रकार के विचार सृजन करने की और उन्हें साकार करने की क्षमता है। कुछ प्रतिभाशालियो के लिए तो पूरी वसुधा का क्षितिज उपलब्ध है। उन्हें किसी और तकनीकी में भारतीय युवाओं की धाक पश्चिमी देशों में जम चुकी है। इसका पूरा श्रेय युवा पीढ़ी को है।

आज की युवा मानसिकता एक नुतनता के साथ बिल्कुल नए जमीन की तलाश में हैं। उनकी दिशा अपने पूर्ववर्तीयों से बिल्कुल अलग है मां,बाप और बुजुर्गो से अलग दिशा में हैं। ऐसी सोच को बुजुर्गो का अपमान न समझकर युवाओं का सम्मान समझना चाहिए। अब बड़ों को चाहिए कि बच्चो से सम्मान न मांगे, बल्कि बच्चो को सम्मान दें। हमारा मानना है कि विद्यार्थियों और युवाओं में व्याप्त आतंकवाद, हताशा, नशावृत्ति और अनुशासन हीनता से निबटना है तो उन्हें प्रेम पूर्ण व्यवहार के द्वारा सम्यक लचीलेपन से उनके अपनेपन को अप्रतिम मानते हुए सम्मानित करना होगा। जीवन की गति यही है। खलील जिब्रान के शब्दों को अंगीकृत करते हुए धनुष की रस्सी को झुकना है तभी बाण दूर तक जाएंगे।

(डॉ आलोक कुमार कश्यप)
प्रधान संपादक

(डॉ शिवम् श्रीवास्तव)
संपादक

विषय सूची

1.	भारतीय समाज में ग्रामीण शिक्षा का विकास **डा0 शक्ति सिंह**	1-5
2.	भारतीय महिलाओं की अतीत और वर्तमान स्थिति का एक समाजशास्त्रीय अवलोकन **डा0 आलोक कुमार कश्यप, जयन्त गुप्ता**	6-9
3.	सोशल मीडिया का युवा पीढी पर प्रभावः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन रांची नगर के विशेष संदर्भ में **बिनीता रानी टोप्पो**	10-18
4.	शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने में कक्षाकक्ष प्रबन्ध की भूमिका का एक अध्ययन **डॉ0 सुनीता गुप्ता**	19-23
5	नेहरूः लोकतान्त्रिक समाजवाद **डॉ. अर्चना सिंह**	24-28
6	भारत में राष्ट्रीय एकता के समक्ष चुनौतियां **डॉ0 हरिओम मिश्र**	29-32
8	सामाजिक न्याय के महान योद्धा डॉ0 भीम राव अम्बेडकर **डॉ0 चित्रलेखा कुमारी**	33-36
9	नालंदा विश्वविद्यालय : एक ऐतिहासिक अध्ययन **डॉ0 दिनेश सिंह**	37-43
10	एक प्रतिबद्ध जनकवि : नागार्जुन **डॉ0 संजय कुमार सिंह**	44-46
11	सरकारी विकास योजनाओं का ग्रामीण समाज पर प्रभाव **वन्दना मौर्या**	47-49
12	AUTONOMY IN EDUCATION: A MATTER OF QUALITY ASSURANCE **Dr. Surendra Pal**	50-58
12	Deconstruction' the best way to understand **Dr. Md Muntazir Alam**	59-62
13	Water Scarcity in Metropolitan Cities in India **Ram Kripal**	63-72
14	Traditional Health Care Practices among Tharu Tribe of UP	73-81

	Dr. Surya Bhan Rawat , Priyanka Paswan	
15	A STUDY ON SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOAL 13 AND CLIMATE CHANGE IN INDIA **Shashibala Pandey**	82-89
16	महिलाओं पर डॉ अम्बेडकर के विचार **डॉ रश्मि नायक**	90-93
17	लैगिंक समानता और युवा विकास **डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव**	94-97
18	भारतीय लोकतन्त्र एवं साम्प्रदायिकता **डॉ. बृजेश पाण्डेय**	98-101